भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
15.12.2021 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2942 का उत्तर

जिरीबाम-इम्फाल रेल लाइन परियोजना

2942. श्री श्रीरंग आप्पा बारणे:
श्री रविन्दर कुशवाहा:
श्री सुब्रत पाठक:
श्री रवि किशन:
श्री सुधीर गुप्ता:
श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक:
श्री प्रतापराव जाधव:
श्री मनोज तिवारी:
श्री बिद्युत बरन महतो:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या रेलवे मणिपुर में जिरीबाम-इम्फाल रेलवे लाइन/परियोजना पर दुनिया का सबसे ऊंचा पुल बन रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त परियोजना हेतु स्वीकृत, जारी और व्यय की जाने वाली कुल निधि कितनी है;

(ग) इस परियोजना के कब तक पूरा होने की संभावना है और इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं;

(घ) क्या ऐसी रेल परियोजनाएं पर्यटन को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ राष्ट्रीय सुरक्षा को भी सहारा देने के दोहरे उद्देश्य की पूर्ति करेगी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार का राष्ट्र के विकास के साथ-साथ पर्यटन और सुरक्षा के अपने दोहरे उद्देश्य की पूर्ति के लिए देश में विशेषकर सीमावर्ती राज्यों में ऐसी और परियोजनाएं शुरू करने का विचार है और यदि हां, तो इस संबंध में राज्य-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

जिरीबाम- इम्फाल रेललाइन परियोजना के संबंध में दिनांक 15.12.2021 को लोक सभा में श्री श्रीरंग आप्पा बराणे, श्री रविन्दर कुशवाहा, श्री सुब्रत पाठक, श्री रवि किशन, श्री सुधीर गुप्ता, श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक, श्री प्रतापराव जाधव, श्री मनोज तिवारी और श्री विद्युत बरन महतो के अतारांकित प्रश्न संख्या 2942 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित विवरण

(क) और (ख): जी हां। मणिपुर के नोनी जिले में रेलवे द्वारा 703 मीटर लंबे ओपन वैब पुल सं. 164 का निर्माण शुरु कर दिया गया है। इस पर 141 मीटर लंबाई का सबसे लंबा खंभा है। इस पुल का निर्माण वर्ष 2003-04 में स्वीकृत जिरीबाम-इम्फाल (111 किमी) नई लाइन परियोजना के भाग के रूप में शुरु किया गया है। इस परियोजना की अनुमानित लागत 12,264 करोड़ रु. है। मार्च, 2021 तक रु. 10,945 करोड़ रु. का व्यय किया गया है और वित्त वर्ष 2021-22 के लिए 1,000 करोड़ रु. का परिव्यय मुहैया कराया गया है।

अब तक जिरीबाम से वंगाईचुंगपाओ (12 किमी) खंड चालू कर दिया गया है और शेष खण्ड पर कार्य शुरू कर दिया गया है।

(ग): किसी भी परियोजना का समय पर पूरा होना राज्य सरकार द्वारा शीघ्र भूमि अधिग्रहण, वन विभाग के प्राधिकारियों द्वारा वन संबंधी मंजूरी, परियोजना की प्राथमिकता, बाधक जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, क्षेत्र की भौगोलिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियों, परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति, जलवायु परिस्थितियों के कारण परियोजना विशेष के स्थल के लिए किसी वर्ष में कार्य के महीनों की संख्या आदि पर निर्भर करता है। ये सभी कारक परियोजना के समापन समय को प्रभावित करते हैं। अत: परियोजना का निर्धारित समापन समय इस चरण पर निर्धारित नहीं किया जा सकता है। फिर भी, परियोजना को तेजी से निष्पादित करने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं।

(घ) और (ङ) जिरीबाम-इम्फाल नई लाइन परियोजना एक राजधानी संपर्कता परियोजना है तथा इम्फाल (मणिपुर की राजधानी) को भारतीय रेल नेटवर्क से जोड़ती है। परियोजना, पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए तथा राष्ट्रीय सुरक्षा को बढ़ाने के लिए शुरु की गई है क्योंकि राज्य म्यांमार के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करता है।

नई परियोजना की स्वीकृति एक चालू और सतत प्रक्रिया है। 01.04.2021 तक सीमावर्ती राज्यों में परियोजनाओं सहित 187 नई लाइन परियोजनाएं हैं, जो योजना/अनुमोदन/निष्पादन के विभिन्न चरणों

में हैं। रेलों में चालू परियोजनाओं का क्षेत्र-वार विवरण लागत, खर्च तथा परिव्यय सहित भारतीय रेल के वैबसाइट www.indianrailways.gov.in>MinistryofRailways>RailwayBoard>AboutIndian Railways>RailwayBoardDirectorates>Finance(Budget)>RailBudget/PinkBook(Year)> RailwayWiseWorksMachineryandRollingStockProgramme के पब्लिक डोमेन पर उपलब्ध है।

*****